Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा - 12

अध्याय - 3

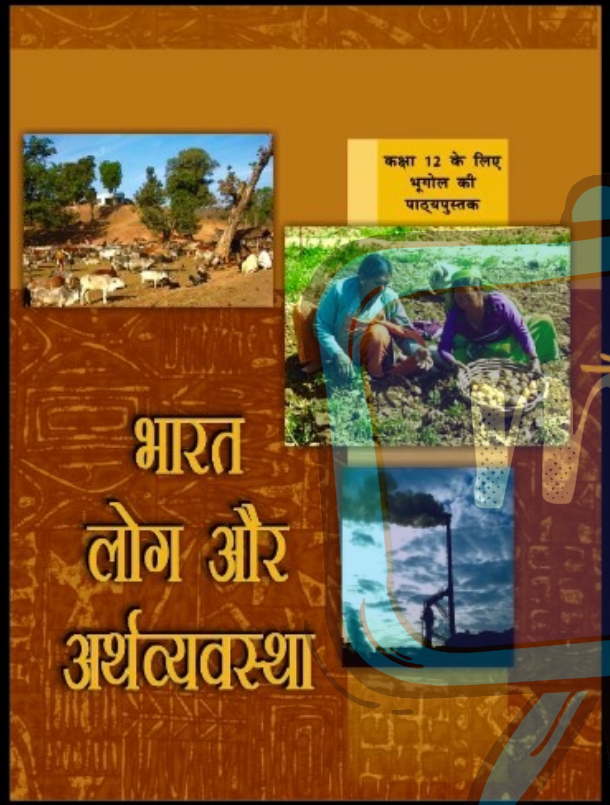
भूसंसाधन तथा कृषि

भाग - 1

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

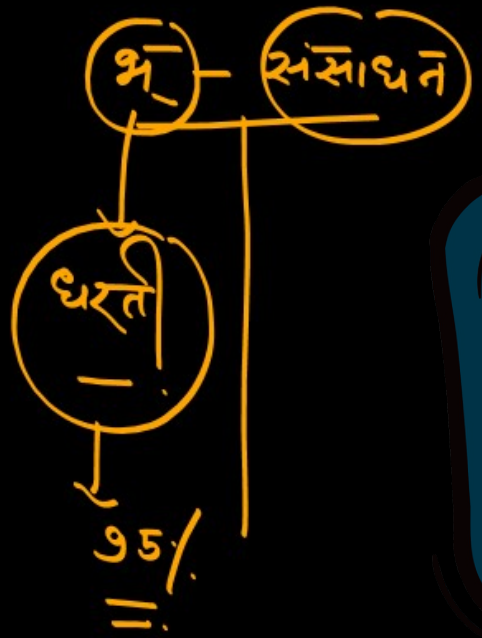
	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗
C-3 : मानव विकास ✗
C-4 : निर्माण उद्योग ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भूसंसाधन

- भारत की प्रशासकीय ईकाइयों के भौगोलिक क्षेत्र की सही जानकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग देता है यह स्थायी है।
- भारत में भूमि-उपयोग संबंधी अभिलेख भू-राजस्व विभाग रखता है। यह परिवर्तनशील है।
- भारत में भूराजस्व विभाग द्वारा भूमि उपयोग को निम्नलिखित 9 वर्गों में रखा गया है :-

1. वनों के अधीन क्षेत्र (Forest Area) : वर्गीकृत वन क्षेत्र (जहाँ वन विकसित हो सकते हैं।) तथा वनों के अंतर्गत वास्तविक क्षेत्र

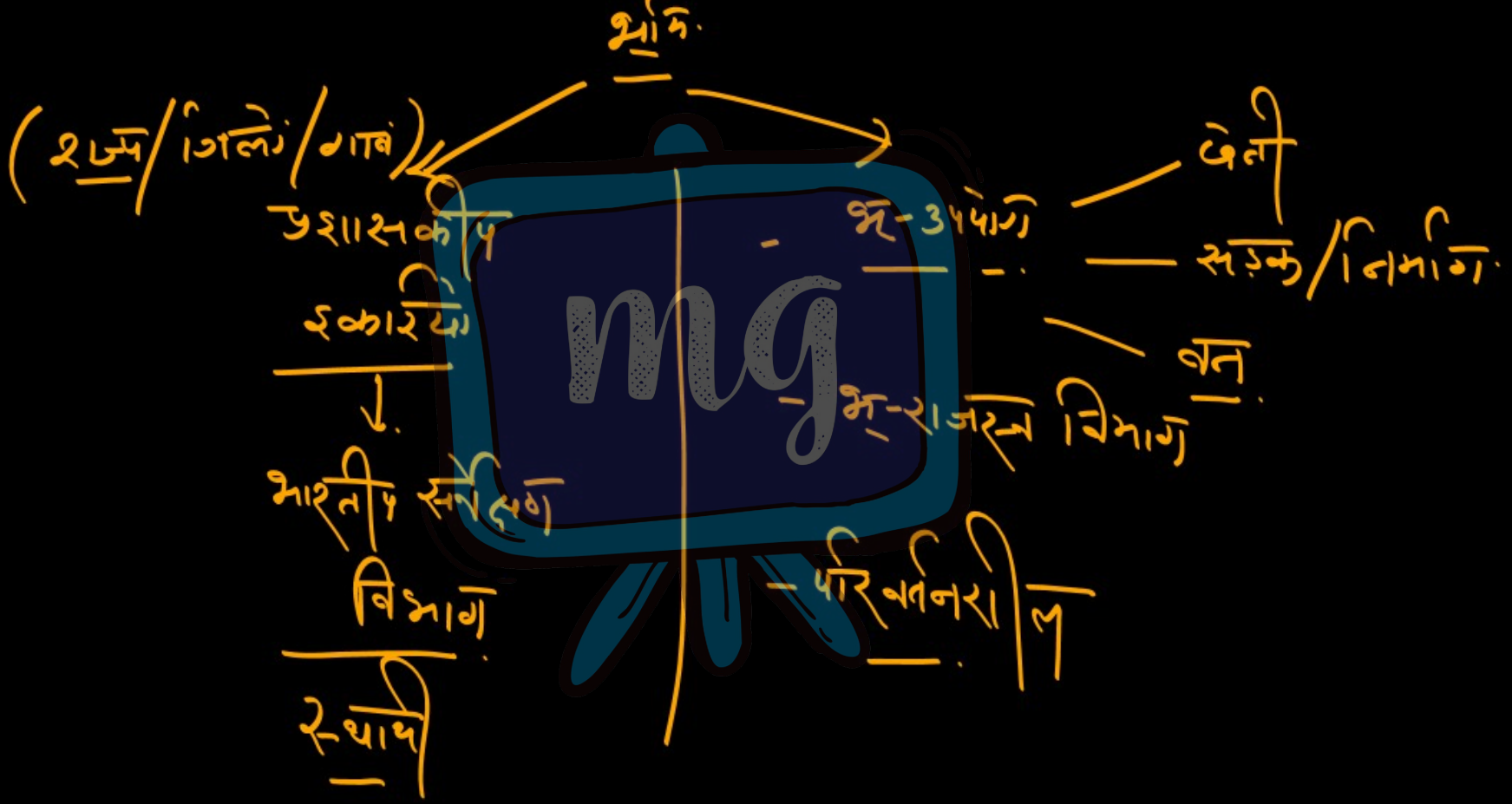
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



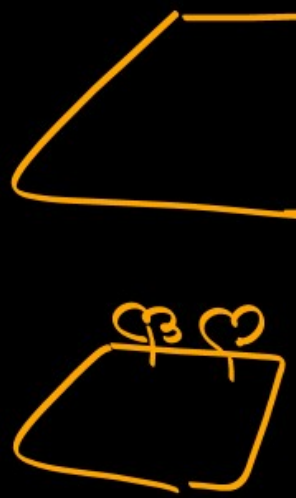
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



2. **गैर–कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि :** बस्तियां, अवसंरचना (सड़के, नहर) उद्योग, आदि द्वितीयक व तृतीयक कार्यकलाप शामिल किये गये हैं।

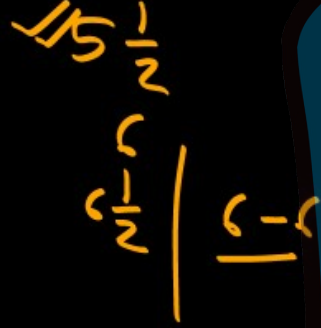
3. **बंजर व व्यर्थ भूमि :** बंजर पहाड़ी क्षेत्र, मरूस्थल, आदि।

4. **स्थायी चरागाह :** ग्राम पंचायत या सरकार के अधीन सामुदायिक भूमि।

5. **विविध तरू फसलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र :** जिनमें निजी स्वामित्व के उद्यान व फलादार वृक्ष लगाये गये हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



6. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि: पिछले 5 वर्षों से अधिक समय तक परती भूमि हो। तकनीकी मदद से कृषि योग्य बनाया जा सकता है।

7. वर्तमान परती भूमि : भूमि जो 1 वर्ष या कम समय तक परती (कृषि रहित) हो। इससे भूमि की उर्वरता बनाये रखने में सहायता मिलती है।

8. पुरातन परती भूमि : 1 वर्ष से 5 वर्ष के मध्य परती भूमि को इसमें शामिल करते हैं।

9. निवल बोया क्षेत्र : वह भूमि जिस पर वास्तविक रूप से कृषि की जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



वर्तमान परती

1 वर्ष से कम

(प्राकृतिक उर्वरता)

पुरातन परती

5 से ज्यादा

कृषि योग्य वर्ष भूमि

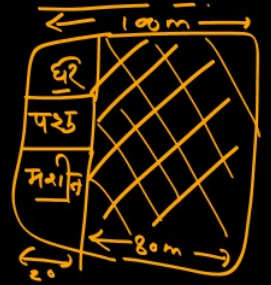
बंजर / वर्ष (मरुस्थल)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(1) तलल बोधा गया क्षेत्र

(2) भाग



$80 \times 100 = 8000 m^2$

अकृषि

8000
8000
16000 m^2

अ- उपयोग

(1) वन
(2) गैर-कृषि कार्य
(3) बंजर / परती
(4) स्थाई चारागाह
(5) विविध पेड़ / उपवन
(6) वर्तमान परती
(7) पुरातन परती
(8) कृषि योग्य परती भूमि
(9) तलल बोधा गया क्षेत्र

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में भू-उपयोग परिवर्तन

- किसी क्षेत्र में भू-उपयोग, अधिकतर वहाँ की आर्थिक क्रियाओं की प्रकृति पर निर्भर है-
- भू-उपयोग को प्रभावित करने वाले अर्थव्यवस्था के कारक निम्न हैं-

1. **अर्थव्यवस्था के आकार में बदलाव** : समय के साथ-साथ भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

GDP (सकल घरेलु उत्पाद)

2023

1 ट्रक
5 कारे
1 ∞ सायकिले

→ 1 करोड़

भारत

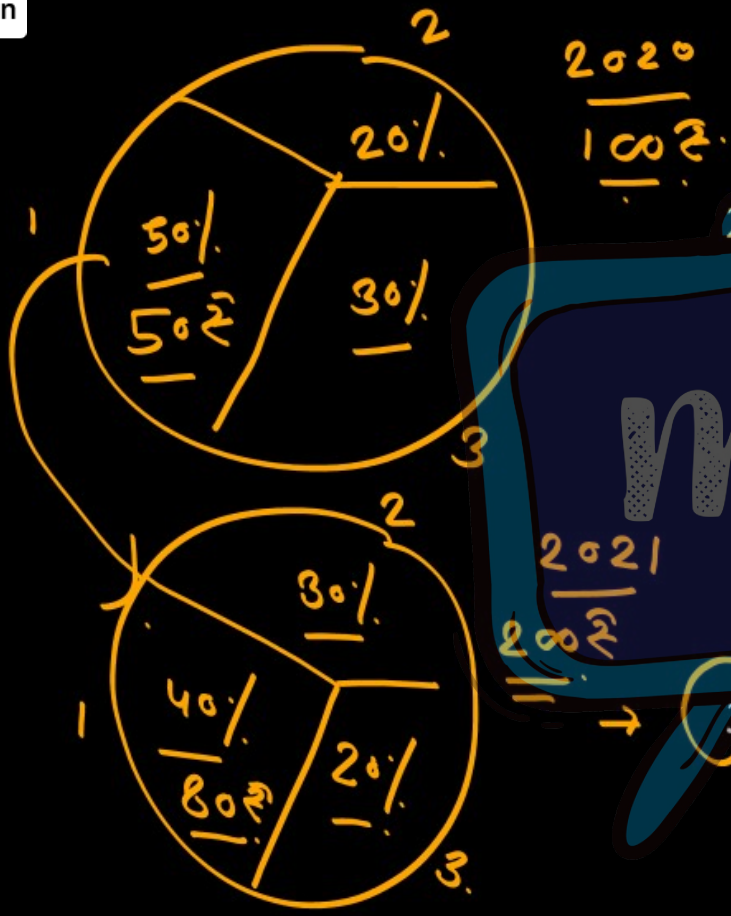
3 करोड़

सेवाएं → 2 करोड़

किसी देश में
+
1 वर्ष
+
वस्तुएं | सेवाएं → मूल्य

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. अर्थव्यवस्था की संरचना में बदलाव : द्वितीयक व तृतीयक सेक्टर में प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा तीव्रता से वृद्धि होती है। विशेषरूप से नगरों के समीपवर्ती क्षेत्रों में कृषि भूमि को अन्य क्रियाओं के उपयोग के लिए लाया जाता है।

3. हालांकि कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता है लेकिन भूमि पर कृषि क्रियाकलापों का दबाव कम नहीं (जनसंख्या में वृद्धि तथा खाद्य आदतों में बदलाव के कारण)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

